राजभवन सूचना परिसर, उत्तराखण्ड

प्रेस नोट

राज्यपाल ने किया ''बसन्तोत्सव 2012 का उद्घाटन।

दिनांक 03 मार्च, 2012 प्राकृतिक अलंकार पुष्प के विभिन्न रंगों से सजे राजभवन की अद्भुत भव्यता के बीच आज राज्यपाल श्रीमती मार्ग्रेट आल्वा ने मुख्यमंत्री श्री भुवन चन्द्र खण्डूरी के साथ दो दिवसीय **''बसन्तोत्सव 2012''** का उद्घाटन किया।

उत्तराखण्ड के सांस्कृतिक लोक कलाकारों के बाद्ययंत्रों की धुन के मध्य राज्यपाल ने डाक तार विभाग द्वारा विशेष रूप से तैयार डाक टिकट/प्रथम दिवस आवरण का भी लोकार्पण किया। प्रथम दिवस आवरण पर इस वर्ष नाजुक, सुंदर तथा औषधीय गुण से युक्त पीले रंग के पुष्प **''फ्यूली''** को चित्रित किया गया है। उत्तराखण्ड में बसंत ऋतु में मनाये जाने वाले पर्व ''फूल देई'' के अवसर पर प्रयुक्त होने के कारण इस पुष्प का सांस्कृतिक महत्व भी है।

राज्यपाल ने मुख्यमंत्री तथा अपने पति श्री निरंजन आल्वा व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ पुष्प प्रदर्शनी का अवलोकन किया। राज्यपाल ने चित्रकला प्रतियोगिता के लिए आये विभिन्न स्कूलों व 500 से अधिक बच्चों, जिनमें शारीरिक तथा मानसिक रूप से अशक्त तथा अपवंचित वर्ग के बच्चे भी शामिल थे, की चित्रकला प्रतियोगिता देखी। इन बच्चों को राज्यपाल ने ओ.एन.जी.सी. के सौजन्य से उपलब्ध कराये गये जूट के बैग्स वितरित करके पॉलीथीन के प्रयोग को हतोत्साहित करने का संदेश दिया।

राज्यपाल ने इस वर्ष की थीम **''कुपोषण''** से संबंधित नुक्कड़ नाटक की मुख्य आयोजन स्थल पर की गई प्रस्तुति की सराहना करते हुए इसे जन–जागरूकता के लिए बेहतर तरीका बताया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि यह बसन्तोत्सव केवल पुष्प उत्पादों की प्रदर्शनी नहीं बल्कि ऐसा अवसर है जब व्यक्ति अपने पूरे परिवार के साथ प्रकृति, संगीत, कला, सौंदर्य, मनोरंजन, खान–पान तथा प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर उपयोग की तकनीक सम्बन्धी जानकारी का लाभ एक ही स्थान पर प्राप्त कर सकता है।

राज्यपाल ने यह भी कहा कि पुष्पोत्पादन उत्तराखण्ड के छोटे काश्तकारों के लिए आमदनी का एक बेहतर जरिया बन सकता है क्योंकि यह परम्परागत कृषि का एक अच्छा विकल्प है। राज्यपाल ने पर्वतीय क्षेत्रों में जंगली जानवरों के बढ़ते प्रकोप के दृष्टिगत संगध उत्पादों को प्रोत्साहित करने पर बल दिया क्योंकि इन्हें जंगली जानवरों से नुकसान की कम आशंका होती है। राज्यपाल ने काश्तकारों का पुष्प उत्पादन के प्रति बढ़ते रूझान को देखते हुए उत्पादों के स्थानीय स्तर विपणन (मार्केटिंग) की व्यवस्था को आवश्यक बताया ताकि उत्पादों का सही मूल्य मिल सके।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री खण्डूड़ी ने कहा कि फूलों की खेती की उत्तराखण्ड में अपार संभावनाएं हैं। पुष्पोत्पादन, जैविक उत्पाद, स्थानीय फसलों पर आधारित उत्पाद, प्राकृतिक उत्पादों पर आधारित लघु उद्योगों को बढ़ावा दिये जाने, इन उत्पादों के व्यापक प्रचार–प्रसार व विपणन की व्यवस्था तथा बागवानी विकास के लिए सरकार वचनबद्ध है तथा निरन्तर प्रत्यनशील भी है।

इस वर्ष की प्रदर्शनी में पुष्पों की 1358 से अधिक प्रविष्टियां विभिन्न श्रेणियों की प्रतियोगिता के लिए अंकित की गयी है, जिनमें व्यावसायिक पुष्प उत्पादकों, पुष्प प्रेमियों तथा विभिन्न शासकीय संस्थान शामिल हैं। **जरबेरा कारनेषन, ग्लैडोलियस, लिली** जैसी कुछ प्रमुख प्रजाति के फूल "कट फ्लावर्स" की श्रेणी में लोगों के आकर्षण का केन्द्र बने हुए हैं। पौटेड प्लान्ट्स, फ्रैश/ड्राई फ्लावर अरेंजमेन्ट, माला, कैक्टस वैरायटी, वोन्साई सहित अन्य कई तरह से पुष्प उत्पादकों तथा पुष्प प्रेमियों द्वारा अपने उत्पादों का आकर्षक प्रदर्शन किया गया है।

प्रदर्शनी में उद्यान तथा कृषि से जुड़े व्यवसायों से सम्बन्धित उन्नत किस्म की तकनीक से निर्मित यंत्र, सामग्री, बीज/उपकरण आदि के 71 स्टॉल लगाये गये हैं। जैविक उत्पाद, जूट व बैम्बू से निर्मित उत्पाद विशेष रूप से आगन्तुकों को आकर्षित कर रहे हैं।

प्रदर्शनी के माध्यम से राज्य की कला संस्कृति को बढ़ावा देते हुए उसे सम्मानित पटल प्रदान करने के लिए फोटो तथा आर्ट गैलरी बनाई गयी है, जौनसारी लोक कलाकारों को कला प्रदर्शित करने का अवसर भी दिया गया है। फूलों की रंगोली प्रतियोगिता से महिलाओं को अपनी कल्पना को मूर्त रूप देने का अवसर मिला है।

आज के उद्घाटन अवसर पर प्रमुख सचिव राज्यपाल श्री अशोक, राज्यपाल के विधिपरामर्शी श्री ज्ञानेन्द्र कुमार शर्मा, प्रमुख सचिव उद्यान श्री ओम प्रकाश, अपर सचिव राज्यपाल श्री सचिन कुर्वे, अपर सचिव उद्यान श्री जे.एस.पाण्डे, निदेशक भारतीय डाक सेवा श्री संजय सिंह सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

04 मार्च को प्रातः 10:00 बजे से सांय 6:00 बजे तक आम जनता के लिए पुष्प प्रदर्शनी खुली रहेगी। सांय 4:00 बजे पुरस्कार वितरण के पश्चात राजभवन के हरित प्रांगण में लोक कलाकारों द्वारा अपनी कला का प्रदर्शन किया जायेगा।

————————0————————

सूचना अधिकारी श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड **मो0–9456590619 टेली फैक्स 0135–2756172**